श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- माण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ | स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 18 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 15 दिसम्बर 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

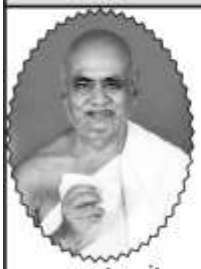

पुण्य-सम्राट का स्वप्न हुआ साकार आचार्यत्रय की निश्रा में तालनपुर में भव्य प्रतिष्ठांजनशलाका सम्पन्न

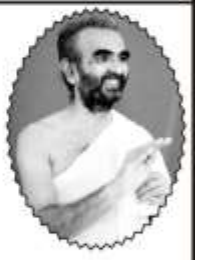

उदयपुर, (स. सं),

मालव प्रदेश की धर्मधरा पर अतिप्राचीन तीर्थ तालनपुर में त्रिस्तुतिक श्रीसंघ में प्रथम बार प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति धर्म-दिवाकर श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा., माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, आचार्यदेव श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयानन्दसूरीश्वरजी म. सा. एवं विशाल श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में नवनिर्मित चतुर्मुखी जिनालय में श्री ऋषभदेवजी, श्री वासुपूज्यजी, श्री वर्धमानस्वामीजी, श्री चन्द्राननजी शाश्वत तीर्थंकरों के साथ ही अन्य प्रतिमाओं

की अंजनशलाका-प्रतिष्ठा हर्षोल्लास एवं उत्साहानन्द के साथ सम्पन्न हुई। इसके साथ ही गणधर भगवन्तों, दादा गुरुदेवश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा., पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि की प्रतिमाएँ भी प्रतिष्ठित की गई।

त्रिवेणी संगम तीनों आचार्य भगवन्तों एवं श्रमण-श्रमणिवृन्द ने नवनिर्मित शाश्वत जिनालय में प्रतिष्ठित प्रतिमाओं को वासक्षेप किया एवं साथ ही सात जिन ध्वजबिम्बों पर ध्वजा लहराई कर प्रतिमाजी के समक्ष प्रथम बार सामूहिक चैत्यवन्दन किया गया। विशाल संख्या में पधारे गुरुभक्तों के मध्य अत्यन्त हर्षोल्लास के साथ प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।

प्रतिष्ठा के पश्चात् त्रिवेणी संगम ने प्रवचन सभागार में उपस्थित हजारों गुरुभक्तों को अपनी मधुर वाणी से प्रतिष्ठा और तीर्थ की महिमा बताते हुए सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। एक साथ तीन आचार्यों को पाट पर देखकर संघ के लोगों में आनन्द का अथाह सागर उछल रहा था। सभी के मुख पर चर्चा थी कि ऐसी

संघ एकता भविष्य में पूर्ण रूप से बने और जिनशासन के अभूतपूर्व कार्य सम्पन्न हो। इस अवसर पर धर्मदिवाकर गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरिजी म. सा. द्वारा रचित पुस्तक श्री शत्रुंजय महिमा का लोकार्पण तीर्थ के जीर्णोद्धारकर्ता मोदी चुन्नीलाल मंछाचन्द परिवार द्वारा किया गया।

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की पावन प्रेरणा पाकर देवविमान तुल्य जिनालय के निर्माण से लेकर अंजनशलाका-प्रतिष्ठा महोत्सव तक का सम्पूर्ण आयोजन लाभ थराद निवासी श्री चुन्नीलाल मंछाचन्दभाई मोदी परिवार ने अद्वितीय एवं अविस्मरणीय लाभ लिया। सम्पूर्ण आयोजन में पूर्ण जयणा पालन का विशेष रूप से ध्यान रखा गया। प्रतिष्ठोत्सव के अन्तर्गत प्रतिष्ठाचार्यों या आयोजक का कहीं फोटो, कटआउट, बेनर नहीं था। सूचना वाले बेनर भी कपड़े पर हाथ से लिखकर लगाए गए। प्रतिदिन आगन्तुक मेहमानों एवं निकटवर्ती क्षेत्रों की अजैन प्रजा को आमन्त्रित कर बैठकर भोजन कराया गया। आयोजक परिवार का पत्रिका या अन्य

कहीं भी बेनर आदि में मोदी परिवार का नाम नहीं था। धन्य है ऐसे जिनशासन के सेवी जो नाम एवं पद से दूर रहकर निःस्वार्थ भाव से बिना नाम के ऐसे अनूठे आयोजन के लाभार्थी बनते हैं। मोदी परिवार की उदारता एवं देव-गुरु-धर्म के प्रति समर्पणता वास्तव में अनुमोदनीय, अनुकरणीय एवं प्रशंसनीय है।

प्रतिष्ठोत्सव के अन्तर्गत भव्य शोभायात्रा त्रिवेणी संगम के सान्निध्य में तालनपुर में आयोजि की गई जिसमें हाथी, घोड़ा, बग्घी, बैण्ड-बाजे, ढोल की मधुर थाप पर पूरी शोभायात्रा में गुरुभक्त हर्षातिरेक होकर नाच रहे थे।

तालनपुर प्रतिष्ठा में अद्भुत संयोग 3 के अंक का समायोजन हुआ जो इस प्रकार घटित हुआ। तीन जिनेश्वर 1. श्री ऋषभाननस्वामी, 2. श्री वर्धमानस्वामी एवं 3. श्री गौड़ी पार्श्वनाथ भगवान की तीसरी प्रतिष्ठा हुई। तीनों प्रतिमाओं की प्रतिष्ठांजनशलाका परमेष्ठि के तृतीय पद को सुशोभित करनेवाले त्रिस्तुतिक परम्परा के तीन आचार्य भगवन्तों आचार्यश्री नित्यसेनसूरिजी, आचार्यश्री जयरत्नसूरिजी एवं आचार्यश्री जयानन्दसूरिजी म. सा. के द्वारा हुई। प्रतिष्ठा की तिथि मगसर कृष्णा 3 (तीज) थी। प्रतिष्ठा समय का संयोग 11.46 बजे अर्थात् 1+1+4+6=12 और 1+2=3, है ना आश्चर्यकारी संयोग। ऐसा सुसंयोग सद्गुरुओं के दिव्याशीष एवं प्रबल पुण्योदय से प्राप्त होता है।

धर्मसभा में त्रिवेणी संगम को श्रीसंघ की ओर से कामबली वोहराई गई। प्रतिष्ठा के द्वितीय दिवस को प्रातः शुभ मुहूर्त में चतुर्विध श्रीसंघ के साथ लाभार्थी परिवार द्वारा द्वारोद्घाटन किया गया।

द्वारोद्घाटन के पश्चात् माण्डवपुर तीर्थोद्धारक, संघशिल्पी आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि ठाणा ने कुक्षी की ओर विहार किया।

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 83 वें अवतरण दिवस पर देश भर में आयोजन सम्पन्न

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. की पावन सद. प्रेरणा से सम्पूर्ण देश में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 83 वें अवतरण दिवस दिनांक 5-12-2018 पर अनेक धार्मिक, समाजसेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए गए। गुरुभक्तों ने ग्राम-नगरों में उत्साह के साथ विविध कार्यक्रम आयोजित कर पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री का स्मरण किया। प्राप्त समाचार प्रकाशित किए जा रहे हैं। **-स. सम्पादक**

भारतनगर-मुम्बई (महाराष्ट्र)

श्री भारतनगर जैन संघ, भारतनगर-मुम्बई द्वारा अनेक आयोजन किए गए। 'गुरु जयन्तसेनसूरि हुए धर्म के शूरी' प्रातः 9.30 बजे गुणानुवाद सभा, गुरु पूजा, साधु-साध्वीजी भगवन्त की वैयावच्च, शास्त्राध्ययन द्वारा गुरुदेव को ज्ञानांजलि, विशिष्ट अंगरचना, साधर्मिक भक्ति, सामूहिक आयम्बिल, जाप, सामायिक, अनुकम्पा दान, गौशाला दान आदि का आयोजन श्रुत प्रभावक मुनिराजश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में किया गया।

मुनिराजश्री ने गुणानुवाद सभा में कहा कि गुरुदेवश्री जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. जिनके जीवन में जिनशासन एवं सम्यक्त्व की आराधना का प्रबल पुरुषार्थ पल्लवित था। गुरुदेवश्री ने विशाल पदयात्रा कर लाखों लोगों की आस्था-विश्वास को जागृत कर धर्म का सुमार्ग दिखाते हुए धार्मिक, सामाजिक एवं मानवता के त्रिवेणी संगम को प्राणवान बनाया था। मुनिश्री ने गुरुदेवश्री के जीवन से जुड़ी जिनशासन प्रभावक घटनाओं से परिचित कराया।

अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर अनेक गुरुभक्त उपस्थित थे।

पाटण (गुजरात)

मुनिराजश्री चारित्ररत्नविजयजी एवं मुनिराजश्री निपुणरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में गुरु जन्मोत्सव जीवदया के साथ मनाया गया। त्रिस्तुतिक जैन संघ पाटण द्वारा प्रातः 9 बजे 83 वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 83 किलो गुड़ एवं गेहूँ की शुद्ध घी की लापसी जिसके लाभार्थी श्री चम्पालालजी ओपचन्दजी ओ. सी. जैन सायला-बैंगलोर एवं 830 किलो पशु आहार जिसके लाभार्थी त्रिस्तुतिक जैन संघ पाटण ने पाटण नगर की पांजरापोल में वितरण किया गया।

प्रातः 11 बजे अध्ययनरत श्रमण-श्रमणियों की निश्रा में गुणानुवाद सभा आयोजित की गई। आरती के बाद पुण्य-सम्राटश्री की आरती की गई। दोपहर में गुरुपूजन पढ़ाया गया। गुरु जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में पंचासरा पार्श्वनाथ जिनालय सहित अनेक जिनालयों में अंगरचना की गई जिसके लाभार्थी हितेश की स्मृति में श्री ओ. सी. जैन परिवार सायला-बैंगलोर थे। गुरु जन्मोत्सव कार्यक्रमों में स्थानीय संघ के सहित अन्य समाज के लोग विशेष रूप से उपस्थित थे।

माण्डवपुर (राज.)

अतिप्राचीन तीर्थ माण्डवपुर में साध्वीश्री प्रीतिदर्शनाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की पावन निश्रा में तीर्थ परिसर में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री का 83 वाँ जन्मोत्सव विविध कार्यक्रमों के साथ उत्साह एवं आनन्द के साथ मनाया गया।

श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी के श्री अशोक सेठिया ने जानकारी देते हुए बताया कि पुण्य-सम्राट की पुण्य स्थली माण्डवपुर में जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में साध्वीश्री की निश्रा में गुणानुवाद सभा आयोजित की गई। जिसमें साध्वीश्री ने कहा कि गुरुदेवश्री ने अपने जीवनकाल में सभी पर अनेकों उपकार किए है ऐसे उपकारी गुरुदेवश्री के जन्मदिवस पर हम उनके दिखाए मार्ग पर चलकर जिनशासन सेवा के उत्कृष्ट कार्य करें तभी जन्मदिवस मनाना सार्थक होगा।

दोपहर में श्री जयन्तसेन अष्टप्रकारी पूजा संगीत की स्वरलहरियों के साथ पढ़ाई गई। सायं पुण्य-सम्राटश्री की भव्य आरती गई। आरती के पश्चात् गुरुभक्ति-संध्या का आयोजन किया गया तथा नयनाभिराम अंगरचना की गई। तीर्थ परिसर में विशाल संख्या में पधारे गुरुभक्तों प्रभावना वितरीत की गई तथा स्वामीवात्सल्य किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रमों का लाभ श्रीमती देबुदेवी सुखराजजी बालगोता परिवार, मेंगलवा-दिल्ली ने लिया।

महिदपुर (म. प्र.)

महिदपुर में साध्वीश्री विद्वद्गुणाश्रीजी एवं श्री रश्मिप्रभाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में 83 वें जन्मदिवस पर जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। प्रातः 6 बजे भक्तामर पाठ, सामूहिक गुरुवन्दन किया गया। 7.30 बजे श्री राजेन्द्रसूरि ज्ञान मन्दिर से भव्य शोभायात्रा प्रारम्भ हुई जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती करती हुई ज्ञान मन्दिर पहुँची। मार्ग में समाजजनों एवं अन्य समाजों द्वारा गहुँली कर गुरुदेव को बधाते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया।

महिदपुर चातुर्मास में तपस्या करने वाले तपस्वियों एवं विशेष रूप से सभी पत्रकारों का 4 महिनें तक समाचार प्रकाशित करने पर प्रथम बार विशिष्ट सेवाओं हेतु बहुमान किया गया।

भोजन वितरीत करते गुरुभक्त

श्री सचिन भण्डारी ने चलभाष पर बताया कि जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 125 गरीबों को भोजन एवं फल वितरण किशनगढ़ भादवामाताजी में किया गया। दोपहर 12.39 बजे श्री जयन्तसेन अष्टप्रकारी पूजन महिला परिषद् द्वारा पढ़ाया गया जिसका लाभ श्री अशोककुमारजी हिमांशु, अंशुल कोचर परिवार ने लिया। दोपहर 2 बजे साध्वीश्री की निश्रा में गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया। जिसमें श्रीसंघ

गुणानुवाद सभा का परिदृश्य

अध्यक्ष श्री पारस जैन, प्रचारमन्त्री श्री सचिन भण्डारी, महिला-बालिका-बहू परिषद् ने गुरुदेव का गुणगान किया। गुणानुवाद सभा को जिनवाणी का रसपान कराते हुए साध्वीश्री ने कहा कि गुरु ज्ञान की पाठशाला है जहाँ से व्यक्ति अपना विकास करके प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ सकता है। गुरु ही हम सबको सच्चा मार्ग बताता है। जन्मोत्सव पर सकल श्रीसंघ का स्वामीवात्सल्य किया गया।

सायं 83 दीपक प्रकट कर बालिका परिषद् द्वारा कलात्मक नयनाभिराम रंगोली बनाई गई एवं पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की महा आरती तथा रात्रि एक शाम गुरु जयन्त के नाम भक्ति संध्या का आयोजन किया गया।

जावरा (म. प्र.)

साध्वीश्री पुण्यदर्शनाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में जावरा में श्री राज-राजेन्द्र वाटिका तीर्थ में 3 दिसम्बर 2018 को ध्वजारोहण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। दिनांक 4 दिसम्बर 2018 को साध्वीश्रीजी का 36 वाँ दीक्षा दिवस श्रीसंघ एवं परिषद् परिवार द्वारा अनुमोदना के साथ मनाया गया।

दिनांक 5 दिसम्बर 2018 को पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरिजी म. सा. के 83 वें जन्मोत्सव अनेक जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। दोपहर श्री जयन्तसेन अष्टप्रकारी पूजा पढ़ाई गई एवं भव्य आरती की गई। सभी कार्यक्रमों में श्रीसंघ एवं परिषद् ने हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ भाग लिया।

नागदा (म. प्र.)

श्री श्वेताम्बर मूर्तिपूजक श्रीसंघ एवं अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के जन्मोत्सव को सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ श्री चन्द्रप्रभु मन्दिर से प्रातः 6.30 बजे भक्तामर पाठ से किया तत्पश्चात् समाजजनों ने पाडल्या रोड़ स्थित गोपाल गौशाला में जाकर 9 बजे पशुओं को गुड़ व चारा खिलाया व राजीव कॉलोनी स्थित अन्नक्षेत्र में दरिद्र नारायणों को मिठाई, नमकीन तथा शासकीय चिकित्सालय में मरीजों की कुशलक्षेम पूछते हुए फल, बिस्किट वितरण किए जिसका लाभ बहू परिषद् ने लिया।

दोपहर पुण्य-सम्राट की पूजन सभी महिला परिषद् द्वारा पढ़ाई गई जिसका लाभ श्री ब्रजेशजी बाबूलालजी बोहरा परिवार ने लिया। सायं जैन कॉलोनी स्थित श्री शान्तिनाथ जिनालय में गुरुदेवश्री की महा आरती की गई। इस अवसर पर 6 लक्की ड्रॉ निकाले गए जिसका लाभ रत्नराज ग्रुप नागदा ने लिया। सभी कार्यक्रमों में समाजजन, नवयुवक-महिला-तरुण-बालिका-बहू-परिषद् सदस्य विशाल संख्या में उपस्थित थे। पधारे हुए अतिथियों एवं गुरुभक्तों का आभार परिषद् अध्यक्ष श्री मनोज वागरेचा ने ज्ञापित किया।

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 83 वें अवतरण दिवस पर देश भर में आयोजन सम्पन्न

टाण्डा (म. प्र.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेव के 83 वें जन्मोत्सव पर टाण्डा नगर में अनेक आयोजन किए गए। जैन श्रीसंघ द्वारा प्रातः भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। शोभायात्रा में श्रावक-श्राविकाएँ जय-जयकार के साथ गुरुजी हमारा अन्तर्नाद हमको देना आशीर्वाद के नारे से नगर को गुँजायमान कर रहे थे। शोभायात्रा नगर परिभ्रमण के पश्चात् मन्दिर परिसर पर पहुँची, जहाँ सभी गुरुभक्तों द्वारा गुरुदेवश्री की पूजन एवं भव्य आरती की गई।

जैन श्रीसंघ टाण्डा में गुरुदेवश्री के जन्मोत्सव पर काफी उत्साह देखने को मिला। श्रीसंघ की ओर से सामूहिक 50 एकासना कर गुरु को समर्पित किए गए तथा श्रीसंघ का स्वामीवात्सल्य रखा गया। दोपहर 1 बजे श्री जयन्तसेनसूरि अष्टप्रकारी पूजा पढ़ाई गई जिसके लाभार्थी श्री सागरमलजी चौधरी एवं श्री दिनेशकुमारजी डाँगी थे। जैन श्रीसंघ द्वारा सामूहिक सामायिक में गुरुभक्तों ने विशाल संख्या में सामायिक की। तरुण परिषद् ने चिकित्सालय में जाकर रोगियों को फल एवं बिस्किट का वितरण किया तथा गरीब बच्चों को कॉपी, किताब एवं पेन वितरण किया। सायं प्रभु भक्ति की गई। गुरुभक्तों ने अपने घरों में 5 दीपक प्रकटा कर जन्मोत्सव मनाया।

करवड़ (म. प्र.)

त्रिस्तुतिक श्रीसंघ करवड़ द्वारा पुण्य-सम्राट के 83 वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में प्रातः 6 बजे सामूहिक भक्तामर पाठ किया गया। 8 बजे प्रभात फेरी नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई।

श्रीसंघ की ओर से सभी विद्यालयों के बालकों को जलेबी एवं पोहे का वितरण किया गया।

पेटलावद (म. प्र.)

अ. भा. श्रीराजेन्द्र जैन तरुण परिषद् पेटलावद के तत्वावधान में गुरुदेवश्री जयन्तसेनसूरिजी म. सा. के 83 वें जन्मोत्सव पर विभिन्न आयोजन किए गए। जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गौशाला में गायों को चारा वितरण किया गया। दीपावली पर्व पर नन्हें-मुन्ने बच्चों द्वारा पटाखों का त्याग करने पर उन्हें पुरस्कार वितरण तथा सकल श्रीसंघ एवं गरीबों में मिठाई का वितरण किया गया।

सामूहिक जाप में गुरुभक्तों ने विशाल संख्या में पधार कर जाप किया। जाप के पश्चात् पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की आरती की गई।

राजगढ़ (म. प्र.)

पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के 83 वें जन्मोत्सव पर परिषद् भवन राजगढ़ पर राहगिरों को मिठाई वितरीत की गई।

धार (म. प्र.)

अ. भा. श्रीराजेन्द्र जैन बालिका परिषद् शाखा धार द्वारा 83 वाँ जन्मदिवस स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया गया। इस आयोजन के अन्तर्गत बालिका परिषद् ने बड़े अस्पताल जाकर बुजुर्गों को फल वितरण करते हुए उनके स्वास्थ्य एवं दवाई की जानकारी ली। जिन बुजुर्गों को दवाई के लिए आर्थिक मदद की जरूरत थी उनकी मदद की तथा उन्हें अपने गुरुदेव का जीवन परिचय भी दिया। इस अवसर पर नवयुवक परिषद् के सदस्य श्री अशोकजी मेहता भी उपस्थित थे।

खाचरौद (म. प्र.)

83 वें जन्मोत्सव पर अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् खाचरौद द्वारा गोपाल गौशाला में जाकर गायों को गुड़ और खल का वितरण किया गया। सायं पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री की भव्य आरती की गई। इस अवसर पर श्रीसंघ एवं परिषद् परिवार के अनेक गुरुभक्त उपस्थित थे।

बाग (म. प्र.)

83 वें जन्मोत्सव पर जैन श्री संघ बाग द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रातः 7.30 बजे जैन मन्दिर से विशाल वरघोड़ा निकाला गया जो नगर का परिभ्रमण करते हुए सम्पन्न हुआ। पुण्य-सम्राटके साधना कुटीर पर सायं 6 बजे सामूहिक आरती की गई। 8 बजे मन्दिरजी के पीछे भव्य आरती एवं गुरुभक्ति की गई। जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सभी घरों में दीपक प्रकटाए गए।

पारा (म. प्र.)

पारा नगर में त्रिस्तुतिक जैन संघ द्वारा 83 वें जन्मोत्सव को जीवदया के कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में स्कूल, चिकित्सालय में ढाई क्विन्टल खुगदी का वितरण, झाबुआ में विकलांग, अनाथ बच्चों को खाना, प्रातः भक्तामर पाठ, प्रभातफेरी, स्नात्र पूजा,अष्टप्रकारी पूजा, भव्य वरघोड़ा, गुरुवन्दना, वासक्षेप पूजन, आरती के साथ गुणानुवाद सभा आदि आयोजन किए गए। प्रातः का बियासणा, स्वामीवात्सल्य आयोजित किया गया जिसके लाभार्थी श्री श्रेणिकजी, राजेन्द्रजी, सुनीलजी पगारिया परिवार थे। दोपहर में श्री जयन्तसेनसूरि गुरुपद महापूजन स्व. श्री सागरमलजी की 50 वीं पुण्यतिथि के निमित्त श्री दिलीपजी कोठारी परिवार की ओर से पढ़ाया गया। सायं बियासणा एवं स्वामीवात्सल्य के लाभार्थी श्री राजेन्द्रसूरि चौक नित्रमण्डल थे। सायं प्रभुभक्ति व महिलाओं द्वारा चौबीसी की गई। दीपोत्सव के अन्तर्गत सभी ने अपने गृहआँगन में 5 दीपक प्रकटा कर जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया।

विजयवाड़ा (आ. प्र.)

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् शाखा विजयवाड़ा द्वारा जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में दोपहर 3 बजे संगीत की मधुर स्वर लहरियों के साथ श्री जयन्तसेन अष्टप्रकारी पूजन पढ़ाया गया।

कुक्षी (म. प्र.)

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् परिवार रतलाम द्वारा पुण्य-सम्राट का 83 वाँ जन्मोत्सव सेवाकार्य के रूप में मनाया गया। प्रातः 7.30 बजे जीवदया, 8.30 बजे पुण्य-सम्राट अष्टप्रकारी पूजा व दीप सज्जा नीमवाला उपाश्रय में महिला परिषद् द्वारा की गई इसके बाद नवकारसी और 10 बजे गुणानुवाद सभा की गई। प्रातः 11 बजे शा. रविन्द्र प्राथमिक विद्यालय, काटजू नगर रतलाम में स्वेटर, कॉपी, अन्य स्टेशनरी सामग्री एवं चप्पल आदि का वितरण किया गया।

पिपलौदा (म. प्र.)

पुण्य-सम्राट के 83 वें जन्मोत्सव पर पिपलौदा में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रातः नवकारसी के पश्चात् 9.30 बजे विशाल चल समारोह जैन मन्दिर दादावाड़ी से निकाला गया। चल समारोह के पश्चात् गुरुदेवश्री की आरती एवं अतिथि बहुमान किया गया। 12.30 बजे स्वामीवात्सल्य किया गया तत्पश्चात् श्री जयन्तसेनसूरि अष्टपगकारी पूजन पढ़ाया गया।

भाटपचलाना (म. प्र.)

83 वें जन्मोत्सव पर त्रिस्तुतिक जैन संघ भाटपचलाना द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रातः 6.30 बजे भक्तामर पाठ, गुरुगुण इक्कीसा, जयन्तसेन इक्कीसा का सामूहिक पाठ किया गया। 9 बजे पुण्य-सम्राट का जीवन चरित्र विषयक कार्यक्रम, स्वामीवात्सल्य, दोपहर गुरुपद महापूजन, सामूहिक सामायिक, सायं महाआरती का आयोजन किया गया।

राणापुर (म. प्र.)

83 वें जन्मोत्सव पर जैन श्रीसंघ राणापुर द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्री यतीन्द्र ज्ञान मन्दिर में प्रातः भक्तामर पाठ कर आरती की गई। तत्पश्चात् यहीं से दादागुरुदेव एवं पुण्य-सम्राट के चित्र के साथ सकल संघ ने भव्य शोभायात्रा निकाली। मार्ग में समाज के सभी घरों ने अक्षत, श्रीफल से गहूँली की गई। नाचते-गाते-जयकारे लगाते पूरे नगर का परिभ्रमण कर शोभायात्रा श्री यतीन्द्र ज्ञान मन्दिर पहुँची जहाँ गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया जिसमें श्री चन्द्रसेनजी कटारिया, सोहनलालजी सेठ, राजेन्द्रजी सियाल, महिला परिषद् की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती गुणमाला जैन उज्जैन, महिला परिषद् की महामन्त्री श्रीमती पद्मा सेठ ने अपने शब्दों के माध्यम से पुण्य-सम्राट गुरुदेवश्री के गुणों का बखान किया। सभी वक्ताओं ने सामाजिक एकता पर जोर देते हुए गुरुदेव का समाज पर योगदान और उनके द्वारा किए जिनशासन प्रभावना के कार्यों का स्मरण किया। सभा के पश्चात् गुरुदेवश्री की आरती की गई जिसका लाभ श्रीमती गुणमाला जैन उज्जैन ने लिया। प्रभावना श्री पवनजी नाहर, सोहनलालजी सेठ एवं चन्द्रसेनजी कटारिया की ओर से वितरीत की गई।

दोपहर में अष्टप्रकारी पूजा पढ़ाई गई। सायं चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरण एवं श्री राज-राजेन्द्र गोपाल गौशाला में गायों को गौग्रास खिलाई गई। मन्दिरजी में 83 दीप से पुण्य-सम्राट की आरती की गई। श्री राज-राजेन्द्र पब्लिक स्कूल, बुनियादी प्राथमिक विद्यालय मदनकुई में बच्चों ने श्री जयन्तसेनसूरिजी रचित स्तवनों को सुनाया तथा गुणानुवाद किया गया। स्वल्पाहार एवं खीर-पूड़ी का भोजन छात्रों को श्री कमलेशजी रमेशचन्द्रजी नाहर परिवार की ओर से कराया गया। अस अवसर पर दोनों संस्थाओं के प्राचार्य एवं अध्यापकगण उपस्थित थे।

भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक के विहारानुक्रम की चित्रमय झलक

चित्र परिचय ऊपर- चन्द्रशेखर आजाद की नगरी भावरा में आचार्यदेवेशश्री के भव्य मंगल-प्रवेश के पश्चात् देवदर्शन एवं प्रवचन प्रदान करते हुए। नीचे- चन्द्रशेखर आजाद स्मृति मन्दिर का अवलोकन करते हुए विजिटर बुक में अपने विचार अंकन करते आचार्यदेवेशश्री

श्री भाण्डवपुर तीर्थ द्वारा संचालित

श्री भाण्डवपुर तीर्थ एवं क्षेत्रीय सभी श्रीसंघों के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों के सीधे समाचार प्राप्त करने एवं तीर्थ परिसर में आवासीय सुविधा हेतु अग्रिम बुकिंग आदि के लिए लिंक से जुड़िये

SCAN ME

* रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिंक *
http://bhandavpur.com/registration-form/

bhandavpur
bhandavpur@gmail.com
+91-7340009222
www.bhandavpur.com
पेढ़ी +91-7340019702-3-4
BTveer

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।

कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991

e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये। घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

योगी-वाणी

कोशिश करें कि जिन्दगी का हर पल अपनी ओर से प्रत्येक मनुष्य के साथ अच्छे से गुजरे।

क्योंकि जिन्दगी किसी की भी नहीं रहती परन्तु अच्छी यादें सदा ही जिन्दा रहती है।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने यहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डोंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है। चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजें।

* लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। * सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित